पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश –जून 2020

1. महीने के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां: अनुबंध I में दी गई हैं।

2. व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण आयोजित महत्वपूर्ण नीतिगत पहलू/ मामले: शून्य

3. सचिवों की समिति केनिर्णयों का अनुपालन:

क्रम सं	अनुपालन के लिए लंबित सचिवों की समितिकेनिर्णयों की संख्या	प्रस्तावित कार्य योजना / समयसीमा	टिप्पणियां
1.	दिनांक 14/08/2014 क्रिल मछली पकड़ने काप्रस्ताव पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर क्रिल मछली पकड़ने में विभिन्न देशों के अनुभव का अध्ययन करेगा ताकि भारत उनके अनुभवों से सीख सके। विदेश मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सहयोग से उन देशों की जांच और पहचान करेगा जिनके साथ भारत क्रिल मछली पकड़ने के लिए सहयोग कर सकता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़ने में भारतीय उद्योग के हितों का पता लगाएगा और विदेशी कंपनियों के साथ सीधे सहयोग करने वाली भारतीय कंपनियों की व्यवहार्यताका भी पता लगाएगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय कानून के प्रावधानों के भाग के रूप में मसौदा कानून को अंतिम रूप देने से पहले अन्य सदस्य देशों द्वारा अधिनियमित कानूनों का अध्ययन करेगा। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय क्रिल मछली पकड़नेसे संबंधित मांग विश्लेषण, वित्तीय व्यवहार्यता, उद्योग के हितों, अन्य देशों के अनुभवों, मछली	मंत्रालय ने क्रिल मछली पकड़ने के पहलू की जांच कर ली है। जापान और नॉर्वे ने विशेषज्ञता विकसित की है और इन देशों को क्रिल मछली पकड़ने मे सहयोग करने के लिए अस्थायी रूप से चिन्हित किया गया है। उनके अनुभव प्राप्त हुए हैं। क्रिल मछली पकड़ने के लिए भारतीय उद्योग से संपर्क किया गया है ताकि उनके हितों का पता लगाया जा सके। हालाँकि, अभी तक हमें कोई प्रतिक्रिया नहीं प्राप्त हुई है।मसौदा पेपर तैयार किया गया है और कैबिनेट सचिवालय के सुझाव प्राप्त हुएहैं।	क्रिल मछली पकड़ने के लिए नॉर्वे के सहयोग के लिए नीति आयोगके माध्यम से प्रस्ताव भेजा गया है।

	पकड़ने के लाइसेंस के लिए मापदंड, मौजूदा ज्ञान की कमीआदि का विस्तृत ब्यौरा संबंधित दस्तावेज़ प्रस्तुत करेगा।इसके बाद, भारत वाणिज्यिक क्रिल मछली पकड़ने में संलग्न होगाया नहीं इसपर निर्णय लेने के लिए सचिवों की समिति कीपुनःबैठक होगी।		

मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित अभियोजनके लिए स्वीकृति के मामले: शून्य

- **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार की स्थापित कार्य व्यवहारव्य-नियमों में छूट दी गयी है:** शून्य
- **ई- प्रशासन के कार्यान्वयन की स्थिति :** कार्यान्वित किया जा रहा है।
- **लोक शिकायतों की स्थिति:**

महीने के दौरान निबटायी गई लोक शिकायतों की संख्या	महीने के अंत में लंबित लोक शिकायतों की संख्या
12	06

8. शासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिएमंत्रालय /विभागों द्वारा उठाएगए उपायों की सूचनाए ।

सैटेलाइटद्वारा समुद्र की सतह का तापमानऔर क्लोरोफिल जैसे व्युत्पन्न मापदंडों का उपयोग करके संभावित मछली पकड़ने के क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, शॉर्ट रेंज और मीडियम रेंज वेदर का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइटके डेटा का सतत रूप से उपयोगकिया जाता है।

9. (i) **मंत्रालय में दायरे के एसीसी के संगठनों उसके और विभाग /आने वाले सभी पदों का ब्योराAVMS पर अद्यतनकिया गया है:** इस बात की पुष्टि की जाती है किमंत्रालय के एसीसी के संगठनों उसके और विभाग / आने में दायरे वाले सभी पदों का ब्योराAVMS पर अद्यतनकिया गया है और ब्योरा अनुबंध -II में दिया गया है।

(ii) **एसीसी के निर्देशों के अनुपालन के बारे में स्थिति:**इस बात की भी पुष्टि की जाती है कि एसीसी के निर्देशों का अनुपालन किया जाता है।

(iii) **उन मामलों की स्थिति, जहां PESB से सिफारिशें प्राप्त हुई हैं, लेकिन प्रस्तावों को अभी तक एसीसी सचिवालय को प्रस्तुत किया जाना है** :शून्य

****

अनुबंध-I

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

1. दक्षिणी पश्चिम मानसून ने8 जुलाई की अपनी सामान्य तारीखकी तुलना में 26 जून,2020 को पूरे देश को कवर कर लयिा है।
2. पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा विकसित **मुंबई के लिए एकीकृत बाढ़ चेतावनी प्रणाली**(IFLOWS) 12 जून,2020 को माननीय,पृथ्वी विज्ञान मंत्री और महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री द्वारालॉन्च की गई। IFLOWS एक अत्याधुनिक प्रणाली है जसिसे विशेष रूप सेअधिक बारिश की घटनाओं और चक्रवातों के दौरान बाढ़ के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रदान करके मुंबई की गतिशिलता बढ जाएगी।
3. **वर्तमान मौसम की स्थिति और अगले दो सप्ताहों के लिए मौसम** का पूर्वानुमान साप्ताहिक वीडियो कैप्सूलके रूप में12 जून 2020 से शुरू किया गया है। वीडियो कैप्सूल को वेदर इंडिया और मौसम NWFC (नेशनल वेदर फोरकास्टिंग सेंटर) पेज फेसबुक केप्रत्येक शुक्रवार को अंग्रेजी और हिंदी दोनो भाषाओं में अपलोड किया जा रहा है।
4. **COVID-19 के कारण लॉकडाउन के संबंध में सरकार द्वारा जारी की गई** जारी सभी निर्देशों /दिशानिर्देशका सख्ती से पालन किया जाता है।

कैबिनेट के समक्ष ऐसा कोई मामला लंबित नहीं था जिसमे कैबिनेट के निर्णय / अनुमोदन की आवश्यकता अपेक्षित हो।

<u>न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन:</u>

- देश में किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता (पीपीपी) मोड के माध्यम से देश में एसएमएस और आईवीआर तकनीक के माध्यम से प्रयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट एडवाइजरी का प्रसारण जारी है। वर्तमान समय में, देश में 40.1 मिलियन किसानों को सीधे एसएमएस के माध्यम सेपरामर्शिकाएंप्राप्त हो रही हैं।

- राज्य सरकार के अधिकारियों / आपदा से संबंधित अधिकारियों / केंद्र सरकार के संगठनों / जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी रही है।
- राज्य अधिकारियों सहित सभी प्रयोक्ताओं को कई शहरों के लिएईमेल, इलेक्ट्रॉनिकऔर प्रिंट मीडिया के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और पूर्वानुमान के साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

वायुमंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक कितने प्रारंभ हुए	महीने के दौरान स्थापित	डेटा रिपोर्टिंग
स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS)	*305 + 15 (705-400)	15 (केरल)	286
स्वचालित वर्षा मापक (ARG)	356*** (1356-1000)	--	336
GPS सोंदे आधारित RS / RW स्टेशन	56	--	26
डॉपलर मौसम रडार (DWR)	** 25	--	24
ओजोन(ओजोन सोंदे+कुल ओजोन	04	--	04
सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक एकाग्रता सेल विधि)	07	--	07
	12	--	12
नेफेलोमीटर	20	--	13
आकाश रेडिओमीटर	25	--	23
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई)	--	9 (दिल्ली) 10 (मुंबई)

	10 (अहमदाबाद)		10 (अहमदाबाद)
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (SAFAR)	---	--	---
हाइड्रोमेट (AWS और ARG को छोड़कर IMD और अतिरिक्त विभागीय	79	--	79
विमानन	46	---	46

*कुल 705 मे से 400 पुराने है ।
** इसके अलावा,2 डॉपलर मौसम राडार इसरो के हैं।
***कुल 1356 में से 1000 पुराने हैं।

कोलकाता, तिरुवनंतपुरम और पटना हवाई अड्डों पर स्थापित पीसी आधारित वर्तमान मौसम उपकरण प्रणाली में मौसम रिपोर्ट सृजितकरने, रिपोर्ट प्राप्त करने और अन्य विमानन रिपोर्टों की सुविधा है।

मासिक मौसम सारांश (जून 2020)

क) पश्चिमी विक्षोभ (WD) और प्रतिकूल मौसम: महीने के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में यत्र –तत्र व्यापक वर्षा / गरज के साथ छींटे प़ड़े पांचपश्चिमी विक्षोभ (WDs)नें पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और उत्तर पश्चिमी भारत के निकटवर्ती मैदानी इलाकों को प्रभावित किया।महीने के दौरान दो पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तर पश्चिम भारत के निकटवर्ती मैदानी इलाकों में यत्र – तत्र वर्षा / गरज के साथ छींटे पड़े । पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में तीव्र वर्षा गतिविधि और उन दो प्रणालियों के गुजरने के दौरान इन क्षेत्रों से अलग –अलग स्थानो पर तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि और धूलभरी आँधी के साथ-साथ तेज़ हवाएँ भी दर्ज की गयी है।

ख)तापमान परिदृश्य: देश के लिए महीने का औसत तापमान 29.01 डिग्री सेल्सियस था; यह सामान्य से (+ 0.14 डिग्री सेल्सियस से कम) के आसपास था।

पश्चिम राजस्थान के कुछ भागों में दो दिनों में तीव्र लू की स्थतियों के साथ अलग-अलग स्थानों पर लू की स्थिति देखी गई थी और महीने के दौरान दो दिनों में पश्चिम राजस्थान में अलग –अलग स्थानों पर लू की स्थिति देखी गई थी। माह के दौरान 17 जून,2020 को बीकानेर (पश्चिम राजस्थान) और देश के मैदानी इलाकों में47.8o डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया था।

ग) दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति: दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरे दक्षिण अरब सागर और लक्षद्वीप- केरल और महाराष्ट्र के अधिकांश हिस्सों और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों और तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल के कुछ हिस्सों में 1 जून,2020 से आगे बढा, जो कि केरल में आने की इसकी सामान्य तिथि है। इसने पूरे केरल और माहे को 4 जून,2020 को और पूरे तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल को 10 जून,2020 को कवर किया। मानसून नेपूर्वोत्तर भारत में प्रवेश किया और 10 जून,2020 को मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा के अधिकांश हिस्सों और असम और नागालैंड के कुछ हिस्सों को भी कवर किया। इसने पूरे कर्नाटक, रायलसीमा और तटीय आंध्र प्रदेश को कवर किया और 11 जून,2020 को महाराष्ट्र, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में मानसून में तेजी आई; 12 जून को मानसून ने पूरे तेलंगाना, बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों को कवर किया; और 13 जून को पूरे ओडिशा और पश्चिम बंगाल को कवर किया और पूरे महाराष्ट्र (मुंबई सहित) को कवर किया और 14 जून को गुजरात और मध्य प्रदेश में प्रवेश किया; और 15 जून कोमानसून ने पूरे छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार को कवर किया

पूर्वी उत्तर प्रदेश में प्रवेश किया;इसके बादयह 16 जून ,2020 को पश्चिमी मध्य प्रदेश के कुछ और हिस्सों में, पूर्वी मध्य प्रदेश के अधिकांश हिस्सों और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ और हिस्सों में होते हुए आगे बढ़ गया; 22 जून तक मानसून की प्रगति में ठहराव था; 23 जून को मानसून ने आगे बढ़ना शुरू किया और इस प्रकार से पूरे अरब सागर, पूरे गुजरात और मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के अधिकांश हिस्सों, पूरे उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान और 24 ,जून 2020 को मुजफ्फराबाद को कवर किया;आगे बढ़ते हुए 25 जून, 2020 को मानसूनने पूरे उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश, पूरी दिल्ली, हरियाणा के कुछ हिस्सों और पंजाब के अधिकांश हिस्सों को कवर किया; और 26 जून, 2020 को पूरे देश को कवर कर लिया।

(घ)<u>गरजना और ओलावृष्टि की घटनाएं:</u> महीने के दौरान **<u>गरजना और ओलावृष्टि की घटना</u>**(30 06.2020 के 0830 बजे तक) निम्नानुसार दर्ज की गई है:

क्रम संख्या	**क्षेत्र**	**टीएस दिन**	**अधिकतम गरजना और ओलावृष्टि की तारीख**	**ओलावृष्टि की घटनाएँ**	**गरजना की घटनाएँ**
1.	दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत	30	10/06/20	शून्य	शून्य
2.	उत्तर पश्चिमी भारत	30	28/06/20	01(02/06/20को चुरू)	शून्य
3.	पूर्वोत्तर भारत	29	11/06/20	शून्य	शून्य

4.	पूर्वी भारत	30	01/06/20	शून्य	01(27/06/20**को अलीपुर**)
5.	मध्य भारत	30	27/06/20	शून्य	02(11/06/20, 14/06/20 **को नागपुर**)
6.	पश्चिम भारत	24	25/06/20 **और** 26/06/20	शून्य	शून्य

नोट: उपर्युक्तसंवहनी घटनाओं का पूर्वानुमान लगाया गया था और इस घटना के घटित होने के बारे में 4-5 दिन पहले ही चेतावनी जारी की गई थी। इसके अलावा,अब संबंधित RMC / MC द्वारा इन घटनाओं के संबंध में तात्कालिक पूर्वानुमान भी जारी किये गये थे।

(ड़)वर्षा परिदृश्य:

जून माह2020 के लिए पूरे देश में 196.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो 166.9 मिमी की औसत दीर्घावधि (एलपीए) से 18 % अधिक है।

(च)भारी / बहुत भारी वर्षा चेतावनी कौशल: माह के दौरान जारी की गई चेतावनी में भारी / बहुत भारी वर्षा (> 64.4 मिमी) की घटनाएँ और चेतावनी कौशल (% में सटकिता) स्थानिक वितरण का विवरण नीचे दिया गया है:

कितने दिनों के लिए चेतावनी जारी की गई	भारी / बहुत भारी वर्षाकी घटनाओं की संख्या (> 64.4 मिमी): **409**
	वर्षा के लिए प्रतिशत सटीकता (%में)> 64.4

	मिमी
दिन 1/24 घंटे	73%
दिन 2/48 घंटे	72%
दिन 3/72 घंटे	72%

BIMSTEC गतिविधि के तहत भूटान (नए स्टेशन)में 20 स्थानों के लिए प्रतिदिन मेटियोग्राम और ईपीएसग्राम सृजित किए जाते हैं।

जारी बुलेटिन/चेतावनियाँ/प्रेस विज्ञप्ति : ऑल इंडिया वेदर बुलेटिन (120), ऑल इंडिया रेफरेंस और प्रतिकूल मौसम की चेतावनी (120), निम्नलिखित के बारे में प्रेस विज्ञप्तियां,(क) कम दवाब क्षेत्र/अवदवाब/उष्णकटिबधिय चक्रवात (6),(ख) दक्षिण पश्चिम मानसून का प्रारम्भ होना और आगे बढ़ना 2020(07), (ग) दक्षिण पश्चिम मानसून 2020 का पूर्वानुमान दक्षिण पश्चिम मानसून की वर्षा (02),(घ) पूर्वोत्तर और इसके निकटवर्ती पूर्वी भारत में तीव्र दक्षिणी पश्चिमी मानसून वर्षा (02), (ड़) मुंबई में बाढ़ चेतावनी प्रणाली चालू करना (01), खराब मौसम के लिए तात्कालिक निर्देश बुलेटिन (30), अखिल भारतीय साप्ताहिक मौसम रिपोर्ट (4), एफडीपी तूफान बुलेटिन (30)और लू संबधी बुलेटिन (30).

जारीप्रकाशन और परिचालन रिपोर्टें ;मौसम पत्रिका अंक(71 पार्ट -II अप्रैल 2020), दैनिक अखिल भारतीय मौसम सारांश और साप्ताहिक मौसम रिपोर्ट, ENSO और जून 2020 के लिए हिंद महासागर डिपोल(IOD) बुलेटिन और जून से सितंबर 2020 तक दक्षिण एशिया के लिए मौसमी जलवायु आउटलुक जारी किए गए (www.imdpune.gov.in/Clim_Pred_LRF_New/Products।html), ग्रिडेड मानकीकृत वर्षा सूचकांक)SPI) और मानकीकृत वर्षा विकास सूचकांक)SPEI) 0.5 * 0.5 डिग्री विभेदन पर 4 साप्ताहिक 1,2,3

और 4 मासिक समय के पैमाने पर गणना की । IMD पुणे की वेबसाइट पर एक ही समयसीमा के नक्शे साप्ताहिक आधार पर अपलोड किए जा रहे हैं ,"डिव्लपमेंट ऑफ न्यू(1.0° x 1.0°) मंथली ग्रिडेडरेनफाल डेटा सेट ऑवर साउथ एशिया रीजन(1981-2019)नामक CSRरिसर्च रिपोर्ट संख्या 001/2020 " मार्च 2020 का ‘’क्लाइमेट डाइग्नोस्टिक बुलेटिन ऑफ इंडिया बुलेटिन,

जियोसाइंस रिसर्च

भूकंपीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	लक्ष्य	अब तक कितने प्रारंभ किए गए	महीने के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भूकंपीय स्टेशन	115	115	101
जीपीएस स्टेशन	40	20#	18

40 में से 20 VST से जुड़े हैं, शेष 20 स्टैंडहैं। रहे चल में मोड अलोन-

भूकंप और सुनामी की निगरानी

भूकंप;: भारतीय क्षेत्र में 43भूकंपों की निगरानी की गई, जिसमें से 8 की घटना 5.0 की तीव्रता (एम) से अधिक थी।. सुनामी : सुनामी उत्पन्न करने की क्षमता वाले 5 समुद्रतलीय भूकंप (एम>6)।सभी 5 घटनाओं के घटित होने के 12 मिनट से भी कम समय में जानकारी दी गई थी।

समुद्रप्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफार्म का प्रकार	लक्ष्य	जून , 2020 तक कमीशन	जून,2020 के दौरान डेटा प्राप्त हुआ

अर्गो फ्लोट्स *	200	374	150
मूरेद बुआए	16	22	13
टाइड गेज	36	36	27
उच्च आवृत्ति रडार (एचएफ)	10	12	9
ध्वनिक डॉपलर वर्तमान प्रोफाइलर)ADCP)	20	20	18
सुनामी बुआए	7	9	3
वेव राइडर बॉय	16	28	10

शेष फ़्लोट्स/ लिय कर पूरा जीवनकाल अपना ने ड्रिफ्टर्स /इसलिए उनसे कोई डेटा प्राप्त नहीं किया जा सकता है ।

समुद्र विज्ञान सेवाएँ

सं	पूर्वानुमान के प्रकार	महीने के दौरान जारी परामर्शिकाओं की संख्या
1	इंटीग्रेटेड पोटेंशियल फिशिंग ज़ोन (PFZ) एडवाइज़री (सी सर्फेस टेम्परेचर (SST), क्लोरोफिल, पवन)।	23
2	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिका	23
2	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF) तरंग, पवनधारा, एसएसटी, MLD और D20 पूर्वानुमान	30
4.	तात्कालिक वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	30
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	10

समुद्री सजीव संसाधन

गहरे समुद्र के स्पोंज क्रैब स्फाएरोड्रोमिया मिक्स एलोक 1900 का एक नया जूजयिोग्रॉफिकल रिकार्ड का पता लगा है। इसे पूर्वी बंगाल की खाड़ी में 290 मी. की गहराई से FORV सागर सम्पदा क्रूज सं 349leg1के दौरान HSDT(CV)के साथ एकत्रित किया गया ।पहले इस प्रजाति की जानकारी सिर्फ म्यांमार में पाई गई है।

आउटरीच और जागरूकता

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक पहल के रूप आईआईटीएम पुणे (एमओईएस), एमओईएस और इसके संस्थानों के सहयोग से "अर्थ साइंसेज पोपुलर लेक्चर्स" वेबिनार श्रृंखला का आयोजन किया गया। एमओईएस संस्थानों द्वारा जून के महीने में कुल 9 वार्ताएं की गईं।

विभिन्न देशों के विशेषज्ञों औरसमन्वयक एजेंसी एनआईओटी के सहयोग से 26 जून को पहला अंतर्राष्ट्रीय ओटीईसी वेबिनार आयोजित किया गया। .

विश्व महासागर दिवस के अवसर पर (8जून,2020 को) “ओशन्स एण्ड लाइफ ऑन अर्थ”नामक शीर्षक परसमुद्री सजीव संसाधन और परिस्थितिकी केन्द्र(CMLRE) द्वारा एक वेबिनार आयोजित किया गया।

प्रकाशन

विषय	प्रकाशन			पीएचडी		
	अप्रैल – मई 2020	जून , 2020	कुल	2020 अप्रैल – मई	जून 2020	कुल
एट्मोस्फेरिक साइंसेज	48	23	71	-	2	2
ओशन साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी	20	16	36	-	-	-
पोलर साइंसेज	6	6	12	-	-	-
जिओसाइंसेज एण्ड रिसोर्सेज	-	-	-	-	-	-
कुल	74	45	119	-	2	2

महीने के दौरान महासागर अनुसंधान पोत का उपयोग

जलपोत	सागर पर दिन / उपयोग	रखरखाव / निरीक्षण / क्रूज / रसद वैज्ञानिक तैयारी	क्रूज की संख्या
सागर निधि	0	30(कोरोना लाकडाउन)	0
सागर मंजुशा	3	27(कोरोनालाकडाउन)	1
सागर तारा	6	24(कोरोनालाकडाउन)	0
सागर अन्वेशिका	11	19(कोरोनालाकडाउन)	1

सागर कन्या	12	18 कोरोना लाकडाउन)	1
सागर सम्पदा	0	30(कोरोनालाकडाउन)	-

अनुबंध-**II**

सं.एमओईएस/20/01/2017-स्था.

भारत सरकार

पृथ्वी वज्ञिान मंत्रालय

पृथ्वी भवन**,** लाधी रोड

नई दिल्ली-110003

दिनांक**:** 01 जुलाई 2020

प्रमाण पत्र

(जून**,2020** माह के लिए)

यह प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबधित सभी पदों की विस्तृत स्थिति कोजून**,**2020 माह के अन्तिम दिन को एवीएमएस पर अ़द्यति किया गया है।स्थिति का सारांश इस प्रकार है:

(क) एवीएमएस में पदों की कुल संख्या -13

(ख) आज की तारीख तक भरे गए पदों की संख्या -12

(ग) आज की तारीख तक कुल रिक्त पदों की संख्या -01

(घ) अतिरिक्त प्रभार वाले पदों की संख्या -02

(ड़) अगले छ: माह के दौरान रिक्त रहने वाले पद -01

(डॉ.विपिन चन्द्र)
सयुक्त सचिव
js@moes.gov.in

****